अध्याय 2: भारत के राजनैतिक मानचित्र का पुनर्निर्माण

प्रश्न और क्रियाकलाप

प्रश्न 1. दिल्ली सल्तनत और मुगल साम्राज्य की राजनैतिक रणनीतियों की तुलना कीजिए। इनमें क्या समानताएँ और भिन्नताएँ थीं?
उत्तर:
समानताएँ:

1. दोनों ने एक मजबूत केंद्रीय शासन स्थापित किया।
2. दोनों ने कर वसूली की व्यवस्था विकसित की।
3. दोनों ने बड़ी सेनाएँ रखीं।
4. दोनों ने अपने साम्राज्य का विस्तार करने का प्रयास किया।

भिन्नताएँ:

1. दिल्ली सल्तनत मुख्यतः सैन्य शक्ति पर निर्भर थी, जबकि मुगलों ने प्रशासन को अधिक संगठित बनाया।
2. मुगलों ने राजपूतों सहित विभिन्न समुदायों को शासन में शामिल किया।
3. अकबर ने धार्मिक सहिष्णुता की नीति अपनाई, जबकि अधिकांश सल्तनत शासकों ने ऐसा नहीं किया।

प्रश्न 2. विजयनगर साम्राज्य और अहोम साम्राज्य जैसे अन्य राज्यों की अपेक्षा अधिक समय तक पराजित होने से कैसे बच सके? उनकी सफलता में किन भौगोलिक, सैन्य और सामाजिक कारकों का योगदान था?
उत्तर:

1. दोनों राज्यों की भौगोलिक स्थिति मजबूत थी।
2. विजयनगर पहाड़ियों और नदियों से घिरा था।
3. अहोम राज्य घने जंगलों और ब्रह्मपुत्र घाटी में स्थित था।
4. दोनों की सेनाएँ अच्छी तरह प्रशिक्षित थीं।
5. स्थानीय जनता का शासकों को समर्थन प्राप्त था।
6. मजबूत प्रशासन और संसाधनों के कारण वे लंबे समय तक स्वतंत्र रहे।

प्रश्न 3. कल्पना कीजिए कि आप अकबर या कृष्णदेवराय के दरबार में एक विद्वान हैं। अपने किसी मित्र को पत्र लिखकर वहाँ की राजनीति, व्यापार, संस्कृति और समाज का वर्णन कीजिए।
उत्तर:

प्रिय मित्र,
सप्रेम नमस्कार।

मैं इस समय सम्राट अकबर के दरबार में विद्वान के रूप में कार्य कर रहा हूँ। यहाँ का शासन बहुत व्यवस्थित है। सम्राट सभी धर्मों का सम्मान करता है और योग्य लोगों को महत्वपूर्ण पद देता है।
व्यापार तेजी से बढ़ रहा है। देश-विदेश के व्यापारी यहाँ आते हैं। कला, संगीत, चित्रकला और साहित्य को विशेष प्रोत्साहन दिया जाता है।
समाज में विभिन्न धर्मों और संस्कृतियों के लोग मिल-जुलकर रहते हैं। यहाँ का वातावरण ज्ञान और संस्कृति से परिपूर्ण है।

आपका मित्र
XYZ

MUKUTclasses

प्रश्न 4. अकबर, जो अपनी युवावस्था में एक क्रूर विजेता था, कुछ वर्षों बाद कैसे सहिष्णु और दयालु हो गया? ऐसे परिवर्तन का क्या कारण हो सकता है?

उत्तर:

1. शासन का अनुभव बढ़ने के साथ अकबर अधिक परिपक्व हुआ।
2. उसने विभिन्न धर्मों और संस्कृतियों को समझने का प्रयास किया।
3. विद्वानों और संतों के विचारों का उस पर प्रभाव पड़ा।
4. उसने महसूस किया कि शांति और सहयोग से राज्य अधिक मजबूत बनता है।
5. इसी कारण उसने धार्मिक सहिष्णुता और दयालुता की नीति अपनाई।

प्रश्न 5. यदि विजयनगर साम्राज्य तालीकोटा का युद्ध जीत जाता तो क्या होता? कल्पना कीजिए और दक्षिण भारत के राजनीतिक और सांस्कृतिक इतिहास पर उसके प्रभाव का वर्णन कीजिए।

उत्तर:

1. विजयनगर साम्राज्य और अधिक शक्तिशाली बन जाता।
2. दक्षिण भारत में उसकी राजनीतिक सत्ता लंबे समय तक बनी रहती।
3. कला, वास्तुकला और साहित्य का और अधिक विकास होता।
4. विदेशी व्यापार में वृद्धि होती।
5. दक्षिण भारत की संस्कृति पर विजयनगर का प्रभाव और अधिक गहरा होता।

प्रश्न 6. प्रारंभिक सिख पंथ द्वारा प्रचारित अनेक मूल्य जैसे समानता, सेवा और न्याय आज भी प्रासंगिक हैं। इनमें से किसी एक मूल्य का चयन कीजिए और चर्चा कीजिए कि यह समकालीन समाज में कैसे प्रासंगिक है।

उत्तर:

मूल्य: समानता

1. समानता का अर्थ है सभी लोगों के साथ समान व्यवहार करना।
2. आज भी समाज में जाति, धर्म और लिंग के आधार पर भेदभाव देखा जाता है।
3. समानता का सिद्धांत सभी को समान अवसर प्रदान करने की प्रेरणा देता है।
4. यह सामाजिक सद्भाव और एकता को बढ़ावा देता है।
5. एक बेहतर और न्यायपूर्ण समाज के निर्माण में समानता महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

प्रश्न 7. कल्पना कीजिए कि आप किसी बंदरगाह नगर (सूरत, कालीकट या हुगली) में एक व्यापारी हैं। वहाँ वस्तुओं, व्यापार करने वाले लोगों, जहाजों की आवाजाही आदि के संबंध में आप जो दृश्य देखते हैं, उनका वर्णन कीजिए।

उत्तर:

1. मैं सूरत के बंदरगाह नगर में एक व्यापारी हूँ। यहाँ प्रतिदिन अनेक बड़े जहाज आते-जाते हैं। इन जहाजों में मसाले, कपड़े, रेशम, चाय और अन्य वस्तुएँ लाई और भेजी जाती हैं।
2. विभिन्न देशों के व्यापारी यहाँ व्यापार करने आते हैं। बंदरगाह पर हमेशा चहल-पहल रहती है। मजदूर सामान लादने और उतारने में व्यस्त रहते हैं।
3. यह नगर व्यापार और सांस्कृतिक आदान-प्रदान का प्रमुख केंद्र है, जहाँ विभिन्न भाषाओं और संस्कृतियों के लोग मिलते हैं।

MUKUT classes

To get notes visit our website

mukutclasses.in